

## जीवनसाथी के

## चयन प्रक्रिया में

## बदलाव

### समस्या:

- विवाह तय होने में समस्या
- दाम्पत्य जीवन में बढ़ती दूरियाँ
- तलाक दर में वृद्धि
- सगाईयों का टूटना
- पारिवारिक मनमुटाव

### समस्याओं की वजह :

- वैवाहिक संबंध तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया
- बेटे-बेटियों के लिए योग्य रिश्तों की जानकारी का अभाव
- युवा पीढ़ी की वैवाहिक सोच एवं अपेक्षाओं की ओर ध्यान न देना
- उचित समय पर रिश्ते तय न करना

**यह समस्याएँ विकराल रूप ले और समाज के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करें**

**इससे पहले हमें ठोस कदम उठाना होगा !**

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था लगभग ३० वर्षों से समाज में वैवाहिक विषयों पर कार्य कर रहे हैं.

वे मानते हैं कि आज विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की सख्त आवश्यकता है.

उनके विचारों को भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....

दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे |

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे श्री.....मोबाईल नं.....

## जीवनसाथी के चयन प्रक्रिया में बदलाव

### समस्या:

- विवाह तय होने में समस्या • सगाईयों का टूटना
- दाम्पत्य जीवन में बढ़ती दूरियाँ
- पारिवारिक मनमुटाव • तलाक दर में वृद्धि

### समस्याओं की वजह :

- वैवाहिक संबंध तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया
- बेटे-बेटियों के लिए योग्य रिश्तों की जानकारी का अभाव
- युवा पीढ़ी की वैवाहिक सोच व अपेक्षाओं की ओर ध्यान न देना
- उचित समय पर रिश्ते तय न करना

TIME  
for  
Change

**यह समस्याएँ विकराल रूप ले और समाज के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करें  
इससे पहले हमें ठोस कदम उठाना होगा !**

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था लगभग ३० वर्षों से समाज में वैवाहिक विषयों पर कार्य कर रहे हैं.

वे मानते हैं कि आज विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की सख्त आवश्यकता है.

उनके विचारों को भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....

दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे.

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे श्री.....मोबाईल नं.....